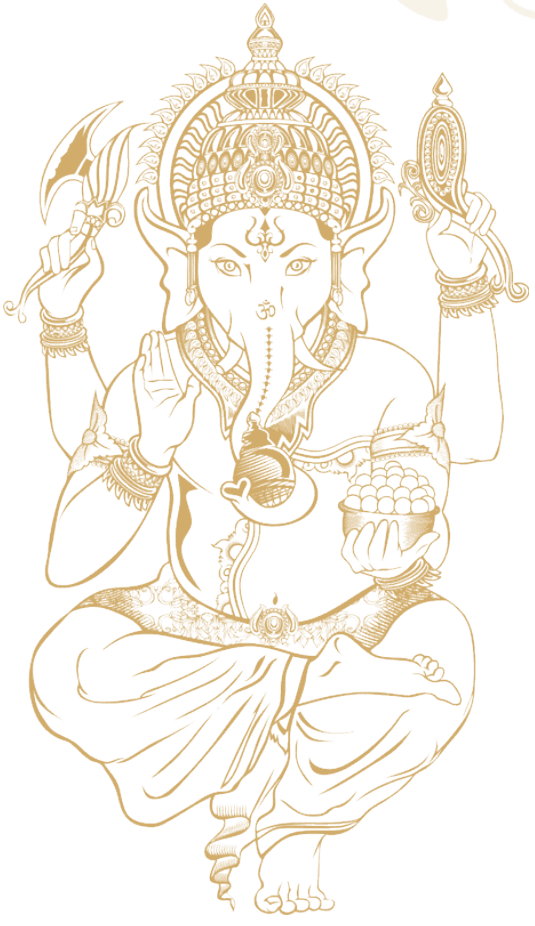

Mr.chirag

05 Oct 2001

01:00 AM

Saharanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120712704

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**4-05/10/2001**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**01:00:00 घंटे**
इष्ट	46:52:47 घटी
स्थान	**Saharanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:58:00 उत्तर
रेखांश	77:33:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:40:12 घंटे
वेलान्तर	00:11:14 घंटे
साम्पातिक काल	01:34:25 घंटे
सूर्योदय	06:14:53 घंटे
सूर्यास्त	18:01:48 घंटे
दिनमान	11:46:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	17:45:29 कन्या
लग्न के अंश	09:11:31 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	हर्षण
करण	वणिज
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	09:11:31	304:41:21	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	17:45:29	00:59:06	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	सम राशि
चंद्र			मेष	13:06:44	12:29:00	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
मंगल			धनु	21:04:05	00:37:31	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध	व	अ	तुला	05:15:38	00:22:24	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	मित्र राशि
गुरु			मिथु	20:29:00	00:05:23	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	22:55:59	01:13:52	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		वृष	21:02:14	00:00:51	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	06:32:28	00:10:06	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	06:32:28	00:10:06	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	27:18:41	00:01:14	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:09:51	00:00:26	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	19:08:36	00:01:20	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			मेष	01:35:08	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:36

लग्न-चलित

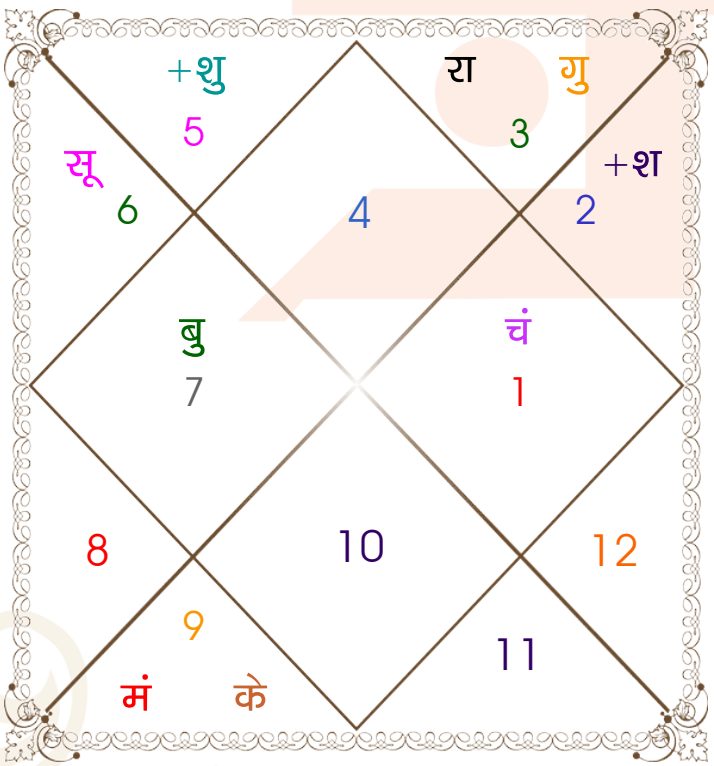

चन्द्र कुंडली

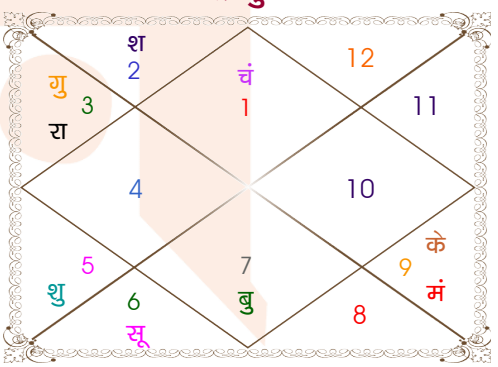

नवमांश कुंडली

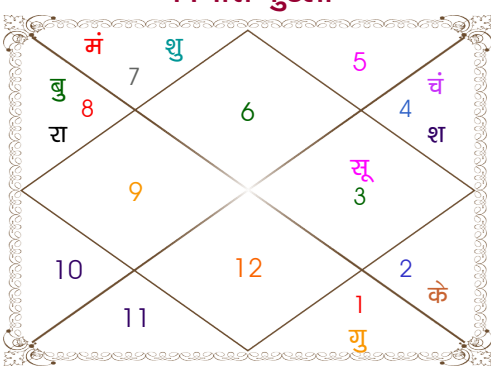

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 1 मास 11 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
05/10/2001		16/11/2001		16/11/2021		16/11/2027		16/11/2037	
16/11/2001		16/11/2021		16/11/2027		16/11/2037		16/11/2044	
	00/00/0000	शुक्र	17/03/2005	सूर्य	06/03/2022	चंद्र	16/09/2028	मंगल	14/04/2038
	00/00/0000	सूर्य	18/03/2006	चंद्र	04/09/2022	मंगल	17/04/2029	राहु	03/05/2039
	00/00/0000	चंद्र	16/11/2007	मंगल	10/01/2023	राहु	17/10/2030	गुरु	08/04/2040
	00/00/0000	मंगल	16/01/2009	राहु	05/12/2023	गुरु	16/02/2032	शनि	17/05/2041
	00/00/0000	राहु	16/01/2012	गुरु	22/09/2024	शनि	16/09/2033	बुध	15/05/2042
	00/00/0000	गुरु	16/09/2014	शनि	04/09/2025	बुध	16/02/2035	केतु	11/10/2042
	00/00/0000	शनि	16/11/2017	बुध	11/07/2026	केतु	17/09/2035	शुक्र	11/12/2043
	05/10/2001	बुध	16/09/2020	केतु	16/11/2026	शुक्र	17/05/2037	सूर्य	17/04/2044
बुध	16/11/2001	केतु	16/11/2021	शुक्र	16/11/2027	सूर्य	16/11/2037	चंद्र	16/11/2044

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
16/11/2044		16/11/2062		16/11/2078		16/11/2097		17/11/2114	
16/11/2062		16/11/2078		16/11/2097		17/11/2114		06/10/2121	
राहु	30/07/2047	गुरु	03/01/2065	शनि	19/11/2081	बुध	15/04/2100	केतु	15/04/2115
गुरु	22/12/2049	शनि	18/07/2067	बुध	29/07/2084	केतु	12/04/2101	शुक्र	14/06/2116
शनि	28/10/2052	बुध	23/10/2069	केतु	07/09/2085	शुक्र	11/02/2104	सूर्य	20/10/2116
बुध	18/05/2055	केतु	28/09/2070	शुक्र	07/11/2088	सूर्य	17/12/2104	चंद्र	21/05/2117
केतु	04/06/2056	शुक्र	29/05/2073	सूर्य	20/10/2089	चंद्र	19/05/2106	मंगल	18/10/2117
शुक्र	05/06/2059	सूर्य	18/03/2074	चंद्र	21/05/2091	मंगल	16/05/2107	राहु	05/11/2118
सूर्य	29/04/2060	चंद्र	18/07/2075	मंगल	29/06/2092	राहु	02/12/2109	गुरु	12/10/2119
चंद्र	29/10/2061	मंगल	23/06/2076	राहु	06/05/2095	गुरु	09/03/2112	शनि	20/11/2120
मंगल	16/11/2062	राहु	16/11/2078	गुरु	16/11/2097	शनि	17/11/2114	बुध	06/10/2121

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 1 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।